

Sl. No. of Ques. Paper	: 7941	GC
Unique Paper Code	: 12131102	
Name of Paper	: Critical Survey of Sanskrit Literature	
Name of Course	: B.A. (Hons.) Sanskrit	
Semester	: I	
Duration	: 3 hours	
Maximum Marks	: 75	

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

NOTE:— Answers may be written either in English or in Sanskrit or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी:— इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

All questions are compulsory.

सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

भाग क (SECTION A)

1. ऋग्वेद के काल के विषय में विभिन्न मतों का विवेचन कीजिए।
Discuss different theories regarding the data of Rigveda.

अथवा (Or)

ऋग्वेद की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

Describe the subject matter of Rigveda.

14

भाग ख (SECTION B)

2. आदिकाव्य के रूप में रामायण का विवेचन कीजिए।

Discuss Ramayana as a first poetry.

अथवा (Or)

रामायण के सांस्कृतिक महत्व का विवेचन कीजिए।

Discuss the cultural importance of Ramayana.

14

भाग ग (SECTION C)

3. महाभारत के विकास-क्रम का निरूपण कीजिए।

Describe the stages of development of Mahabharata.

अथवा (Or)

उपजीव्य काव्य के रूप में महाभारत का वर्णन कीजिए।

Describe *Mahabharata* as a source of literature.

14

भाग घ (SECTION D)

4. पुराणों की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

Describe the subject matter of *Puranas*.

अथवा (Or)

पुराणों के सामाजिक महत्त्व का वर्णन कीजिए।

Discuss the social importance of *Puranas*.

12

भाग ङ (SECTION E)

5. निम्नलिखित पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए (कोई एक टिप्पणी संस्कृत में):

Write short notes on the following (*one* should be in *Sanskrit*):

(i) रस सम्प्रदाय

अथवा (Or)

वामन

(ii) पाणिनि

अथवा (Or)

महाभाष्यकार

(iii) चार्वाक दर्शन का सामान्य परिचय

अथवा (Or)

सांख्य दर्शन का सामान्य परिचय।

7×3=21